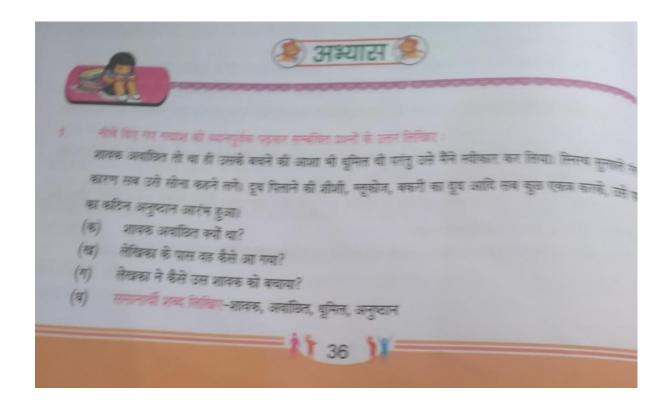
## <u>विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ, लक्खीसराय</u> <u>वर्ग-अष्टम्</u> <u>विषय-हिन्दी</u>

## || अभ्यास-सामग्री ।|

<u>पाठ-५ सोना</u> <u>आज इस पाठ से संबंधित प्रश्नोत्तर दिए जा</u> रहे हैं ,जिन्हें बनाएं –



वीर्ध उत्तरीय प्रश्न :
(क) लेखिका को सोना की स्मृति हो आने का क्या कारण था?
(ख) 'सोना' का रूप-रंग कैसा था?  (ग) सोना लेखिका से अपना स्नेह प्रदर्शन किस प्रकार करती थी?
(ङ) सोना की करुण कथा का अंत किस प्रकार हुआ? आशय स्पष्ट कीजिए :
आशय स्पष्ट काजिए : परंतु उस बेचारे हरिण-शावक की कथा तो मिट्टी की ऐसी व्यथा कथा है; जिसे मनुष्य की निष्टुरता गढ़ती है।
पाठ में स्वर रहित र 🕒 और स्वर सहित र 🖵 वाले शब्दों का बहुतायत से प्रयोग हुआ है। सूची बनाइए-
🖵 ऋ की मात्रा है 🔁 । पाठ में से 🔁 की मात्रा के शब्द चुनकर सूची बनावें और किन्हीं दो का अर्थ भी लिखिए।
नम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए-
नो जान-पहचान का हो
जेसकी वांछा (इच्छा) न हो
नबोध शिशु की अवस्था
हाँ छात्र-छात्राएँ निवास करें
बह का नाश्ता
सका रंग सोने जैसे सुनहरा हो
त' और 'ईय' प्रत्यय शब्दांश जोड़कर प्रत्येक से पाँच-पाँच शब्द बनाइए-
त' आर 'इय' प्रत्येय शब्दाश जाङ्कर प्रत्यकर राजान जान जान जान जान जान जान जान जान जान
1 1 1

विलोम शब्द लिखिए :     तरल -     सुप्त -     स्वामी -      नीचे लिखे शब्दों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग के     व्यथा     निरीक्षण     सजीव	लघु मृत मुडौल जीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए :	
शैशवावस्था  10. निर्देशानुसार वाक्य बदलकर पुनः लिखिए :  (क) वह हरिणी आएगी और अपने मुँह से मेरी	साड़ी का छोर चबाएगी।	(भूतकाल)
(ख) एक दिन देखा, फ्लोरा कहीं बाहर घूमने गई	<b>ह</b> है।	(भविष्यत् काल)
(ग) वह उछली और छलाँगे लगाती निकल गई।		(वर्तमान काल)
अपने पालतू जानवर की कहानी लिखिए।		****
'पशुओं के प्रति स्नेह' पर एक लेख लिखिए।		